उद्यमी (Entrepreneur)

उद्यमी से आशय ऐसे व्यक्ति से है जो किसी नवीन उपक्रम की स्थापना करने की जोखिम उठाता है, आवश्यक संसाधन एकत्रित करता है (मानव, सामग्री, पूँजी आदि) तथा उसका प्रबन्ध एवं नियन्त्रण करता है। यद्यपि जोखिम उठाना उद्यमी का प्राथमिक कार्य है किन्तु आधुनिक युग मे उसे और भी कार्य सम्पन्न करने पड़ते हैं, जैसे नेतृत्व, सृजनात्मक तथा नवाचार सम्बन्धी कार्य

उद्यमी की विशेषताएँ (Characteristics of Entrepreneur)

(1) उद्यमी व्यक्ति अथवा व्यक्तियो का समूह है।
(2) उद्यमी एक नेता (Leader) होता है।
(3) उद्यमी सुविचारित जोखिम वहनकर्ता होते हैं।
(4) उद्यमी योजना बनाता है।
(5) उद्यमी निर्णय लेने के कार्य करता है।
(6) उद्यमी आवश्यक संसाधन (मानवशक्ति, सामग्री, पूँजी, तकनीक आदि) जुटाता है।
(7) उद्यमी नव प्रवर्तनकर्ता होते हैं। जो कुछ न कुछ नये और कुछ न कुछ भिन्न का सृजन करते है।

Scanned with CamScanner

(8) उद्यमी पेशेवर व्यक्ति होता है।

(9) उद्यमी अभिप्रेरक होता है।

(10) उद्यमी दूरदृष्टि वाला व्यक्ति है।

(11) उद्यमी में उच्च कोटि का आत्मविश्वास होता है

(12) उद्यमी अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सदैव समर्पित होता है।

(13) उद्यमी का प्रतिफल लाभ होता है।

(14) उद्यमी संगठन कर्ता होता है।

(15) उद्यमी अवसरों का विदोहन (Exploitation of opportunities) करते है।

Scanned with CamScanner

उद्यमी तथा प्रबन्धक में अन्तर
(DISTINCTION BETWEEN ENTREPRENEUR AND MANAGER)

प्राय: लोग उद्यमी तथा प्रबन्धक दोनों को समान समझते हैं किन्तु वास्तविकता यह है कि इन दोनों में अन्तर है जो निम्न तालिका से स्पष्ट हो जाता है—

क्र. सं.	अन्तर का आधार	उद्यमी	प्रबन्धक
1.	**अर्थ** (Meaning)	उद्यमी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह है जो नये उपक्रमों की स्थापना तथा नवाचार सम्बन्धी क्रियाएँ सम्पन्न करता है।	प्रबन्धक वह व्यक्ति होता है जो स्वयं उपक्रम का प्रबन्ध करता है और दूसरों से कार्य कराता है।
2.	**स्थिति** (Position)	उद्यमी की उपक्रम के स्वामी की स्थिति होती है।	प्रबन्ध की स्थिति उपक्रम के सेवक (कर्मचारी) की होती है।
3.	**प्रतिफल** (Consideration)	उद्यमी का प्रतिफल लाभ होता है।	प्रबन्धक का प्रतिफल वेतन एवं अन्य भत्ते होते हैं।
4.	**जोखिम** (Risk)	उद्यमी सारी जोखिम उठाता है।	प्रबन्धक की व्यक्तिगत कोई जोखिम नहीं होती है।
5.	**नवाचार** (Innovation)	उद्यमी नवाचार करता है।	प्रबन्धक का नवाचार से कोई सम्बन्ध नहीं होता है।
6.	**नियन्त्रण** (Control)	उद्यमी का विभिन्न क्रियाओं पर अन्तिम नियन्त्रण होता है।	प्रबन्ध का केवल प्रबन्ध सम्बन्धी क्रियाओं पर ही नियन्त्रण होता है।
7.	**स्वतन्त्रता** (Freedom)	उद्यमी पूर्णत: स्वतन्त्र होता है।	प्रबन्धक एक वेतनभोगी कर्मचारी होता है जो उद्यमी के निरुन्त्रण में कार्य करता है।
8.	**उपक्रम की स्थापना/ संचालन** (Establishment/ Conduct of Enterprise)	उद्यमी उपक्रम की स्थापना करता है।	प्रबन्धक उपक्रम का संचालन करता है।
9.	**अभिप्रेरण** (Motivation)	उद्यमी उच्च उपलब्धि की अपेक्षा से अभिप्रेरित होता है।	प्रबन्धक अपनी भौतिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं से अधिक अभिप्रेरित होता है।
10.	**समय से सम्बद्धता** (Relationship with Time)	उद्यमी का सम्बन्ध वर्तमान एवं भविष्य दोनों से होता है।	प्रबन्धक का सम्बन्ध केवल वर्तमान से होता है।

Scanned with CamScanner